उनकी कला निपुणता

तुमने बहुत कुछ कला निपुणता के बारे में सीखा होगा, उसके बारे में बताओ। उसके बारे में क्या बताना। कुछ पुलिस वालों को आगा पीछा देखे बिना हर एक को अबे कहकर बुलाने की विशेष भाषा अधिकार होता है। बिना कारण के थप्पड़ मारने का हाथ का अधिकार होता है। सामान्य जन को जूते की नीचे दबाने का पैर का अधिकार होता है। अपने ऊपर के अधिकारियों का अपने ऊपर के आला अफसरों को पवित्र रूप से पूछने का भक्ति भाव तत्व होता है। जब सब कुछ नहीं होता तो भागने का ज्ञान तत्व जीवन में ज्यादा ही होता है। इस तरह सारी कलाओं का समुचित निर्वाह करना ही खाकी कला की निपुणता है।

जैसा तुम कह रहे हो उस हिसाब से पुलिस का मतलब अपार ज्ञानी और महान शक्तिमान प्रतीत होता है। लेकिन उत्तर प्रदेश में ऐसा क्यों हो गया, मेरी समझ में नहीं आ रहा है।

आश्चर्य और सहानुभूति जैसी जो दुस्थिति है खास है।असल में हुआ क्या था?

इसी बीच उत्तर प्रदेश में एक पुलिस उच्चाधिकारी जांच के लिए थाने गए। वहां के एसआई को बंदूक में गोलियां कैसे डाली जाती हैं पूछा। एसआई ने कहा कि सामने नली से अंदर डालते हैं। जब पूछा गया कि कैसे निकालते हैं गोली तो उसने कहा नली को जमीन की तरफ रख दें तो गोलियां अपने आप निकल आएंगी। आश्चर्य से मुंह बाए खड़े उच्च अधिकारी ने उस थाने के सभी लोगों को तुरंत प्रशिक्षण के लिए भेजने का आदेश लिए और इस घटना को मीडिया ने कई कई बार दिखाया।

जिन कामों की आदत नहीं होती है उनके बारे में पूछ कर अर्थहीन मानना यही है। जंग लगी बंदूकों की कार्यशैली पता न होने पर पुलिस को कुछ नहीं आया है या कुछ नहीं कर सकते हैं कहना, खुद के अज्ञान का प्रदर्शन है।

पुलिस को जब बंदूक कैसे काम करती है यही पता न हो तो और क्या कर सकते हैं वे?

कुछ पुलिस वालों के दराजों में रुपयों की गड्डियां, जेब भर महंगे सेल फोन, हाथ भर अधिकार का अहंकार जब है तो उन्हें जंग लगी बंदूकों से क्या काम? फिर भी अब तो सारा कुछ स्मार्ट और फ्रेंडली पुलिसिंग ही तो है।

फ्रेंडली का मतलब पुराने दोस्तों की तरह गले मिलते हुए एक दूसरे के कंधे पर हाथ डाले आदर सत्कार करके भेजते हैं क्या?

और क्या? कुछ लोग हाथ आए हर एक व्यक्ति के बटुए से रुपए आपस में बांटने के बाद ही भेजते हैं। हमारे पुराने दोस्तों से हम इसी तरह का व्यवहार जो करते हैं। फ्रेंडली का मतलब वही है और हम किसी पर विश्वास करते हैं।

बहुत जरूरी काम पर जाते हुए लोगों को अचानक रोकना और उनकी गाड़ियों का कागज दस्तावेज मांगना भी स्मार्ट पुलिसिंग है?

सड़क पर कई लोग जा रहे हैं लेकिन कुछ एक लोगों को गाड़ियां रोकने का आदेश देकर तुरंत उनकी गाड़ी से चाबी खींच लेना, चोरों को भी मात देता काम है, कला है। इसे देखकर हमें कई चीजों को सीखना होगा। इसका अर्थ यह है कि जीवन में हर एक चीज पर ध्यान दिए बिना, कुछ विशेष चीजों पर ध्यान दें। यही दर्शन यही वेदांत इस काम में निहित है।

शराब खरीदने के लिए सड़क तक आती लोगों की लाइनें और सड़क पर गाड़ी खड़ी करके जनता को परेशान करते लोगों पर ध्यान दिए बिना गाड़ियों को एक लाइन से ड्रंक एंड ड्राइव जांच करना ही क्या पुलिस के कार्यकुशलता का प्रतीक है?

ढूंढोगे तो चोर और उग्रवादी कभी भी मिल सकते हैं। लेकिन शराबी जब शराब पीते हैं तभी मिलते हैं। इसका मतलब यह है कि समस्या हम तक आए, इससे पहले हम जागें और समस्या की जड़ों तक जाकर उसका निदान करें। यह संदेश इस कार्य में निहित है, हमें जानना चाहिए।

थानों में कंप्यूटर तो आ गए हैं लेकिन सड़क दुर्घटनाओं जमीन जायदाद के झगड़े, परिवार की समस्याओं में कुछ पुलिस वाले पंचायत करते हैं यह तो नहीं बदला?

इसमें भी कम खर्च में तुरंत न्याय का सूत्र काम करता है। इसे सारे विश्व को अपनाना चाहिए। शराबियों को कैसे पहचानें, गाड़ियां कैसे उठाकर ले जाएं, फौजदारी मामलों में पंचायत करके किस तरह बटवारा करें, गलती न करने वालों से कैसे गलती मनवाएं, बिना कोई संबंध के प्रकरणों में घुसकर किस तरह पैसे बटोरें, न्याय मांगती अभागन स्त्रियों के पीछे पड़ कर कैसे उन्हें परेशान करें, इन विषयों पर अगर परीक्षाएं ली जाएं तो कुछ पुलिस वाले मेरिट में पास होंगे और सौ में हज़ार अंक प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

2 जून को रिटायर हो रहे जस्टिस रमणा, विदाई समारोह 20 मई को

इन्दौर । मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर में पदस्थ जस्टिस दुपल्ला वेंकट रमणा अगले माह 2 जून को रिटायर हो रहे हैं। उनका फुल कोर्ट विदाई समारोह 20 मई को दोपहर साढ़े तीन बजे आयोजित किया गया है।

शराब के नशे में बेसुध युवक की इलाज के दौरान मौत

पीथमपुर। मंगलवार-बुधवार दरम्यानी रात एक दर्दनाक घटना सामने आई जब सेक्टर एक थाना क्षेत्र के आयशर चौराहे पर एक युवक घायल अवस्था में मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक सड़क पर बेसुध पड़ा था और उसके सिर से खून बह रहा था। राहगीरों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना देकर युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। युवक की पहचान रायसेन जिले के देहगांव-गेरतगंज निवासी अभिषेक कुशवाह (22 वर्ष) के रूप में हुई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर्स ने प्राथमिक इलाज शुरू किया, लेकिन सिर की गंभीर चोट और अत्यधिक शराब के नशे की हालत में होने के कारण उसकी हालत बिगड़ती चली गई और दोपहर करीब 1 बजे उसने दम तोड़ दिया। जांच अधिकारी राहुल गोंदाले ने बताया कि युवक को अस्पताल लाए जाने के समय वह गहरे नशे में था। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया है और मौके की सीसीटीवी जांच भी की जा रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर सुनील कुरैल के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक की सिर की नस दबने और अत्यधिक शराब सेवन की पुष्टि हुई है।

अज्ञात कारणों के चलते युवक ने लगाई फांसी, मौत

इन्दौर । एक दिन पहले ही अपनी बुआ के घर से लौटे युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों ने किसी भी तरह के पारिवारिक विवाद से इंकार किया है वहीं पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार मनीष मालीवाड़ पुत्र गुलाब सिंह उम्र अठारह साल ने मंगलवार को कमरे में फांसी लगा ली। वह एक दिन पहले ही धार में अपने बुआ के बेटे की शादी में शामिल होकर आया था। घटना के वक्त मनीष का छोटा भाई और माता-पिता काम पर गए थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि मनीष थकान का कहते हुए आज काम पर नहीं गया और बाद में फांसी के फंदे पर झूल गया। पड़ोसियों ने मनीष को फंदे पर लटका देखा और उसे लेकर एमवाय अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार परिजनों ने किसी तरह के विवाद की बात से इंकार किया है। वही मनीष को किसी तरह की परेशानी भी नहीं थी वह पूरी तरह स्वस्थ था।

हे भगवान! ऐसी बेतरतीब व्यवस्था ने हिला दिया दिल

घायल दंपत्ति तड़पते रहे, मासूम रोता रहा, नहीं पहुंची समय पर एंबुलेंस और पुलिस

पीथमपुर।

बुधवार रात पीथमपुर के सेक्टर-1 थाना क्षेत्र में संजय जलाशय के पास एक हृदयविदारक हादसा हुआ, जिसने न केवल व्यवस्था की पोल खोल दी, बल्कि इंसानियत को भी झकझोर दिया। रात लगभग आठ बजे मानपुर की ओर जा रहे बाइक सवार दंपति को एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना में दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए, और उनके साथ मौजूद छोटा बच्चा सड़क किनारे रोता-बिलखता रहा।

एक घंटे तक सड़क पर तड़पते रहे घायल, नहीं आई एंबुलेंस

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद वहां मौजूद लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस और पुलिस को कॉल किया। लेकिन प्रशासनिक लापरवाही का आलम यह रहा कि करीब एक घंटे बाद भी एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। पुलिस भी घटना के लगभग 45 मिनट बाद पहुंची और घायलों को प्राथमिक इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया।

भावुक कर देने वाला मंजर

सड़क पर लहूलुहान पड़े माता-पिता और पास ही खड़ा उनका मासूम बच्चा, जो अपनी नन्ही आंखों से सब कुछ देख रहा था–यह दृश्य देखकर आसपास के लोग स्तब्ध रह गए। किसी ने गोद में लेकर बच्चे को चुप कराया, तो कोई घायलों को ढांढस बंधाता नजर आया।

स्थानीय लोगों में गुस्सा

इस लापरवाही पर स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों का कहना था कि अगर प्रशासन सक्रिय होता, तो घायलों को समय रहते इलाज मिल सकता था। यह घटना एक बार फिर सवाल उठाती है कि क्या आपात स्थिति में हमारी व्यवस्थाएं भरोसेमंद हैं?

पुलिस ने शुरू की जांच

फिलहाल पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से वाहन की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

शराब दुकानों से अवैध विज्ञापन ध्वस्त

शराब की काम-ज्यादा कीमत लेने वाले दुकानदारों पर कार्यवाही

इंदौर (मनीष शर्मा)। आबकारी विभाग द्वारा मंगलवार को कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से शराब बेचने वालों पर शिकंजा कसते हुए,दुकानों पर लगे अवैध विज्ञापनो को ध्वस्त किया गया। वहीं शराब की न्यूनतम कीमत से ज्यादा कीमत वसूलने वाले दुकानदारों पर भी कार्रवाई कीगई। विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक बताया जा रहा है कि कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशों और सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में इंदौर जिले के आबकारी विभाग की विभिन्न टीमों ने 13 मई को अवैध मदिरा के कारोबार और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ एक व्यापक अभियान चलाया। इस दौरान टीमों ने न केवल अवैध मदिरा की जब्ती की बल्कि मदिरा दुकानों पर लगे अनधिकृत विज्ञापनों को भी सख्ती से हटाया। इन विज्ञापनों को तत्काल प्रभाव से हटवा दिया गया है। इसके अतिरिक्त, निर्धारित प्रारूप में साइन बोर्ड नहीं लगाने वाली दुकानों के विरुद्ध विभागीय प्रकरण भी दर्ज किए गए हैं।इसके अतिरिक्त निर्धारित अधिकतम विक्रय मूल्य से अधिक मूल्य पर मदिरा का विक्रय किए जाने पर कंपोजिट मदिरा दुकान संयोगितागंज , मच्छी बाजार और गिरोता पर भी विधिवत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व भी कंपोजिट मदिरा दुकान पलासिया क्र 02 पर अधिकतम विक्रय मूल्य से अधिक मूल्य पर मदिरा का विक्रय किए जाने तथा कंपोजिट मदिरा दुकान बंगाली चौराहा और लसूड़िया गोदाम क्र 02 पर निर्धारित न्यूनतम विक्रय मूल्य से कम मूल्य पर मदिरा का विक्रय किये जाने पर प्रकरण पंजीकृत किए गए हैं जिनका निराकरण कलेक्टर द्वारा किया जाएगा।

न्यायालयीन प्रकरणों की कार्रवाई

अवैध मदिरा के विरुद्ध सघन अभियान चलाते हुए, आबकारी विभाग की टीमों ने बजरंगनगर कांकड़, निरंजनपुर, पंचशील नगर (एवरफ्रेश की दुकान), कनाडिया, बिजलपुर, राजेंद्र नगर, राऊ, बायपास रोड, स्कीम नं 140, शांति नगर, एमआर 10 चौराहा, परदेशीपुरा, मजेदर ढाबा, इमली बाजार, बाणगंगा, विश्वास नगर, जमाली, नादेड़, प्रतीक्षा ढाबा बायपास रोड, सिमरोल और पीठ रोड सहित विभिन्न स्थानों पर दबिश दी। इन प्रभावी कार्रवाइयों के परिणामस्वरूप, धारा 34(1)ए, 34(एफ), 36(ए) और 36(बी) के तहत कुल 29 न्यायालयीन प्रकरण दर्ज किए गए और 27 स्थानों पर तलाशी ली गई। इस दौरान, टीमों ने 10.38 बल्क लीटर देशी मदिरा, 3.4 लीटर विदेशी मदिरा स्प्रिट, 19.87 बल्क लीटर विदेशी मदिरा बियर, 29 लीटर हाथ भट्टी मदिरा और 250 किग्रा महुआ लाहान जब्त किया, जिसका कुल अनुमानित मूल्य 46,120/- है।

जनप्रतिनिधियों के नाम का उपयोग कर शासकीय प्रतिष्ठानों का अनुचित उपयोग दंडनीय

देवास । लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने देवास में उनके नाम का दुरुपयोग कर शासकीय सर्किट हाउस में रुकने के प्रयास तथा हंगामा करने की घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया है।

उन्होंने स्पष्ट कहा है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा जनप्रतिनिधियों के नाम का उपयोग कर शासकीय प्रतिष्ठानों का अनुचित लाभ लेना, समाज में भ्रम फैलाना और शांति भंग करना निंदनीय और दंडनीय अपराध है। राज्यमंत्री श्री पटेल ने प्रशासन को यह भी निर्देशित किया है कि किसी भी जनप्रतिनिधि से जुड़ी सूचना प्राप्त होने पर उसकी पुष्टि केवल अधिकृत एवं आधिकारिक माध्यम से ही की जाए। इससे न केवल भ्रम की स्थिति से बचा जा सकेगा, बल्कि ऐसे असामाजिक तत्व प्रशासन को गुमराह कर शासकीय संसाधनों का दुरुपयोग भी नहीं कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि दिनांक 13 मई 2025 की रात्रि को तीन युवक–देवेन्द्र पटेल, मनोज कुमार पटेल एवं हरी मोहन पटेल ने मंत्री के नाम की धौंस देकर सर्किट हाउस, देवास में रुकने की जबरन कोशिश की। युवकों ने शराब के नशे में अभद्र भाषा का उपयोग कर शांति व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न किया। मौके पर पहुँची पुलिस टीम ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने शांति भंग करते हुए खुद को मंत्री का आदमी बताकर दबाव बनाने की कोशिश की। राज्य मंत्री श्री पटेल ने उक्त मामले में प्रशासनिक सजगता की सराहना की है और संबंधित व्यक्तियों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। थाना नाहर दरवाजा पुलिस द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए तीनों युवकों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध धारा 170 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को अनुविभागीय अधिकारी देवास के समक्ष प्रस्तुत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

युवक ने फांसी लगा की खुदकुशी

इन्दौर । मूलतः खरगोन निवासी एक युवक ने इन्दौर में अपने किराए के घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मामला कनाड़िया थाना क्षेत्र का है। युवक ने फांसी क्यों लगाई इस बारे में कुछ खुलासा नहीं हुआ है। कनाड़िया थाना पुलिस के अनुसार आदर्श पिता विजयसिंह ठाकुर उम्र इक्कीस साल निवासी वैभव नगर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घर की छत से 40 लाख बरामद, हवाला या गेमिंग की आशंका

इन्दौर । विगत दिनों पुलिस द्वारा पकड़े हवाला के एक करोड़ 30 लाख रुपए के बाद आज सुबह पुलिस ने फिर एक घर से 40 लाख रुपए जब्त किए हैं। ये रुपए मकान की छत पर रखे थें। पुलिस को मकान मालिक ने रुपए के बारे में किसी भी तरह की जानकारी होने से इंकार कर दिया है। मामला विजयनगर थाना क्षेत्र का है। जहां स्कीम नंबर 54 में एक घर पर दबिश देकर पुलिस ने 40 लाख रुपए नगद बरामद कर मौके से पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में भी लिया है। हिरासत में लिए व्यक्ति का नाम युवराज मंडलोई बताया जा रहा है। पुलिस को पूछताछ में युवराज मंडलोई ने खुद को कंट्रक्शन कारोबारी बताया है लेकिन रुपए के संबंध में वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। वहीं विजयनगर थाना पुलिस ने रुपए जब्त कर आयकर विभाग को भी इसकी जानकारी दे दी है। आशंका है कि ये रुपए हवाला या ऑनलाइन गेमिंग के हो सकते है ।

मालवा उत्सव के अंतिम दिन रही चहल-पहल

सदा शंकरम, पनिहारी, मटकी, अहीर लाठी, सेला गेडी, भील भगोरिया, सिद्धि धमाल , कत्थक मिश्ररास नृत्य हुए

इंदौर (नवीन मौर्य) । मालवा उत्सव का आगाज जिस भव्यता के साथ हुआ था आज अंतिम दिवस भी वही भव्यता निरंतरता और उत्साह लोगों में दिखाई दे रहा था।

जब भव्य मंच से उदघोषिका ने घोषणा की कि आज मालवा उत्सव का समापन दिवस है तो उपस्थित दर्शको की भावना थी कि यह उत्सव बहुत जल्दी समाप्त हो गया है। लोक संस्कृति मंच के संयोजक शंकर लालवानी ने इंदौर की जनता को मालवा उत्सव को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया और बधाई दी।

रोड शो में कलाकारों को देखने उमड़ी भीड़..

मांदल और शहनाई की थाप पर नाचते धार अलीराजपुर झाबुआ के भील जनजाति के आदिवासी लोक कलाकार वही मालवा की मटकी लोक नृत्य पर नृत्य करते लोक कलाकार महाराष्ट्र, छत्तीसगढ, कर्नाटक, गुजरात, मध्य प्रदेश सहित अनेक राज्यों के लोक कलाकार जब लाल बाग के परिसर में मुख्य सड़क पर नृत्य करते चले तो उनको देखने सैकड़ो की संख्या में दर्शक आसपास इकठ्ठा हो गए ।

मौसम ने फिर बदली करवट , तेज हवा के साथ बरसा पानी

मई भी सावन जैसा दिखने लगा

इंदौर (नगर संवाददाता)। जिस तरीके से इंद्र देवता गरमी में भी अपनी कृपा बरसा रहे हैं, वो चौंकाने वाली है, क्योंकि एक दिन छोड़कर जबरदस्त बारिश हो रही है। आंधी-तूफान भी आ रहा है, जिसके कारण शादी-ब्याह वाले परेशान हो गई हैं।

पिछले दस दिनों से मई में बारिश ने जो अपना असर दिखाया है, वो चौंकाने वाला है। ऐसी स्थिति में शहरवासियों की परेशानी बढ़ गई है। वो हैरान हो गए हैं कि आखिर क्या करें। कभी भी पानी गिर जाता है और मौसम करवट बदल लेता है। बुधवार को भी ऐसा रवैया दिखाई दिया है। शाम पांच बजते ही

मौसम ने फिर करवट बदली और तेज हवा के साथ पानी ने दस्तक दे दी। धुआंधार बारिश होने के कारण सड़कों पर भी पानी भरा गया और मौसम की फिजा बदल गई। बारिश के कारण सड़कों पर जाम के हालत बन गए थे। मौसम विभाग ने पहले संकेत दिया था कि इंदौर और आसपास के इलाकों में धमाकेदार बारिश हो सकती है। वो बात भी अब सही होती दिख रही है, क्योंकि मौसम लगातार ऐसा असर दिखा रहा है, जिससे बीमारी का खतरा भी बढ़ गया है। दो दिन से उमस बढ़ रही थी और बाद में मौसम ने शाम को करवट बदल ली, जिसके कारण हवाएं भी चलने लगी। दो साल से पानी का सिस्टम बदला हुआ दिख रहा है। पहले कभी अप्रैल और मई में बारिश नहीं हुई है। ठंड में मावठा जरूर गिरता था, लेकिन कोरोना के बाद प्रकृति ने बदलाव किया है और अप्रैल-मई में भी बरसा होने लगी है। जिस तरीके से पानी गिर रहा है, उससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। वजह यह है कि आने वाले दिनों में शादियां ज्यादा हैं और ऐसे में परिवार के लोगों ने चिंता जता दी है।

बंगाल की खाड़ी पहुंचा मानसून, 27 मई को केरल पहुंचेगा

मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून बुधवार को बंगाल की खाड़ी पहुंच गया। यह 27 मई को केरल में दस्तक देगा। मौसम विभाग ने बिहार-छत्तीसगढ़ समेत 14 राज्यों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की है। गुजरात, असम समेत 9 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। वहीं, झारखंड और उत्तर प्रदेश में एक बार फिर गर्मी बढ़ सकती है और यहां उमस की संभावना है। राजस्थान के 11 जिलों में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को दोपहर बाद अलवर, भरतपुर, जयपुर समेत कई शहरों में बारिश हुई। वहीं, बाड़मेर, जैसलमेर में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। मानसून ने मंगलवार को निकोबार द्वीप समूह पर दस्तक दी थी। हर साल 22 मई के आसपास अंडमान में प्रवेश करने वाला मानसून इस साल नौ दिन पहले आया है। मौसम विभाग ने कहा कि अंडमान सागर के ऊपर चक्रवात जैसी स्थिति बन रही है। इससे 16 से 22 मई के बीच कम दबाव का क्षेत्र बन सकता है, जो 23 से 28 मई के बीच साइक्लोन शक्ति का रूप ले सकता है।